Seventeenth Loksabha

an>

Title: Regarding the payment of deposited amount with interest to the investors in various schemes of Sahara India.

श्री उदय प्रताप सिंह (होशंगाबाद): सभापति जी, मैं आपके माध्यम से एक महत्वपूर्ण विषय सदन के सामने रखना चाहता हूं। सहारा इंडिया ने पिछले अनेक वर्षों से जमाकर्ताओं से करोड़ों, अरबों रुपये की राशि अपने बैंकिंग सिस्टम के माध्यम से, सोसाइटीज के माध्यम से पूरे देश भर में जमा कराई थी। हालांकि मामला सबज्यूडिस है, लेकिन न्यायिक विलम्ब के कारण हिंदुस्तान में लाखों लोग ऐसे हैं, जिनका करोड़ों रुपया उनके बैंक में जमा है और कई लोग तो आज हमारे बीच नहीं रहे और जो लोग जीवित हैं, वे भी संघर्ष कर रहे हैं, लेकिन उन्हें उनका पैसा वापस नहीं मिल रहा है। मैं आपको उदाहरण देना चाहता हूं कि मेरे संसदीय क्षेत्र करेली जगह के श्री संजय जैन ने अपने जीवन की लाखों रुपयों की पूंजी सहारा इंडिया में जमा कराई। कोविड के समय उन्हें कोरोना हुआ। जीवन, मौत से संघर्ष करने और लाखों रुपये खर्च करने के बाद उनकी जान बची। बाद में वे ब्लैक फंगस बीमारी के शिकार हुए और उनकी एक आंख चली गई।

आज वे बहुत ज्यादा आर्थिक संकट से गुजर रहे हैं। सहारा इंडिया न्यायालय में मामला होने के नाम पर पैसे का भुगतान नहीं कर रहा है।

संजय जैन जैसे लोग देश में लाखों हैं, जिनके जीवन की सारी पूंजी सहारा इंडिया के बैंकिंग यूनिट में जमा है और आज वे अपने जीवनयापन के लिए पैसा नहीं निकाल पा रहे हैं।

महोदय, मैं आपके माध्यम से सरकार से आग्रह करना चाहता हूं कि कोई ऐसा मैकेनिज्म डेवलप हो, जिसके माध्यम से यदि किसी बड़े पूंजीपति का ज्यादा पैसा जमा है, तो उनकी सैकेंड प्रॉयरिटी रहे, लेकिन जिनका कम पैसा है जैसे 20, 30 या 40 लाख रुपया है और जिन्होंने अपने जीवन की सारी सम्पत्ति जमा की हुई है, प्राथमिकता के आधार पर ऐसे लोगों का भुगतान पहले हो, जिससे कि वे अपना जीवनयापन कर सकें। प्राइवेट सेक्टर के बैंकों और सोसाइटीज पर जो अविश्वास पैदा हुआ है, उस विश्वास को दोबारा हम कायम कर सकें, इसके लिए सरकार कोई मैकेनिज्म डेवलप करे। जिनको पैसे की पहले आवश्यकता है, उनका भुगतान पहले हो, ऐसा मैकेनिज्म डेवलप करते हुए सरकार लोगों की मदद करे। ऐसा मैं आपके माध्यम से वित्त मंत्रालय और न्याय मंत्रालय के माध्यम से कहूंगा कि तेज गति से न्यायिक प्रक्रिया को निपटाते हुए लोगों के भुगतान की प्रक्रिया को आसान बनाया जाए।... (व्यवधान)

***m02 माननीय सभापति:** जो भी माननीय सदस्य अपने आपको इस विषय से संबद्ध करना चाहता है, वे कृपया स्लिप भेज दें।

श्री हसनैन मसूदी जी।